



15 May 1967

06:30 AM

Delhi

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 120788201

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 120788201

Date: 01/01/2026

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 15/05/1967
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 06:30:00 घंटे
इष्ट _____: 02:27:19 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

चैत्रादि संवत / शक _____: 2024 / 1889

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 06:08:52 घंटे
वेलान्तर _____: 00:03:43 घंटे
साम्पातिक काल _____: 21:37:11 घंटे
सूर्योदय _____: 05:31:04 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:04:16 घंटे
दिनमान _____: 13:33:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 00:07:46 वृष
लग्न के अंश _____: 15:12:35 वृष

मास _____: वैशाख
पक्ष _____: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 6
तिथि समाप्ति काल _____: 24:35:21
जन्म तिथि _____: 6
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: पुनर्वसु
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 07:22:38 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: पुनर्वसु
सूर्योदय कालीन योग _____: गण्ड
योग समाप्ति काल _____: 23:57:15 घंटे
जन्म योग _____: गण्ड
सूर्योदय कालीन करण _____: कौलव
करण समाप्ति काल _____: 12:55:35 घंटे
जन्म करण _____: कौलव
भयात _____: 59:09:15
भभोग _____: 61:20:51
भोग्य दशा काल _____: गुरु 0 वर्ष 6 मा 28 रि

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

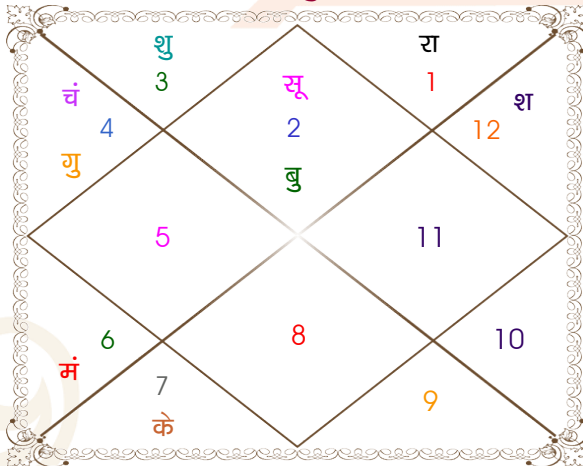
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	वृष	15:12:35	---	--	--	--	नेक
सूर्य	वृष	00:07:46	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
चन्द्र	कर्क	02:51:06	स्वराशि	--	--	--	नेक
मंगल	व कन्या	22:26:26	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
बुध	वृष	04:12:29	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	कर्क	05:20:04	उच्च राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	मिथुन	12:00:26	मित्र राशि	--	--	--	नेक
शनि	मीन	15:08:43	सम राशि	--	--	हाँ	नेक
राहु	व मेष	13:25:05	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
केतु	व तुला	13:25:05	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा

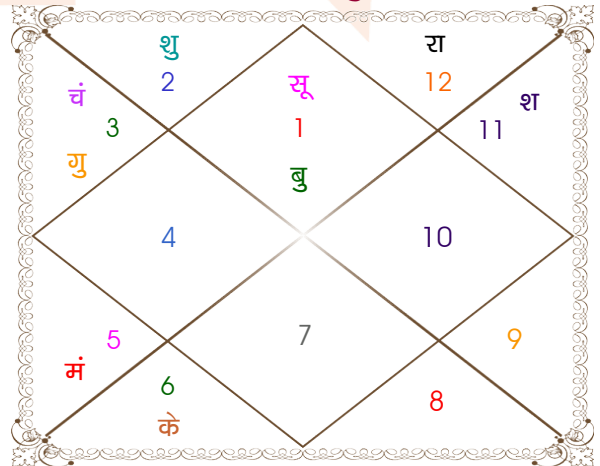
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	हाँ	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के पहले खाने में सूर्य है। इसकी वजह से बाहर से मधुर स्वभाव परंतु अंदर से आग का शोला होंगे। आपका चाल-चलन अच्छा होगा। आप तेजस्वी, प्रतापी, शत्रुहंता होंगे। आप में आत्मसिद्धि, मानसिक रूप से चिन्तित, मान-सम्मान से युक्त होंगे। सत्ता से लगाव, लेखा-जोखा के कार्य में संलग्न, सभी प्रकार की शिक्षा प्राप्ति होगी। आप विचारों के पक्के शराब-नशे से दूर रहने वाले, हर बात में पहल करने वाले, आक्रामक, मुंह तोड़ जवाब देने वाले तथा परिश्रमी होंगे। आप पुरुषार्थ से धन कमा कर धनी होंगे। आप दूसरों की सहायता करेंगे। आप ठोकरें खा-खाकर चमकेंगे। आपको सताने वाला नष्ट हो जाएगा। आपकी प्रसिद्धि और बढ़ेगी। धार्मिक कार्य और परोपकार में धन लगाने से उन्नति होगी। 24 वर्ष की आयु में विवाह शुभ, संतान एवं पत्नी का सुख मिलेगा, अच्छे कार्य में अगुवा रहेंगे। गरीबों के मदद्गार एवं क्रोधी होंगे। आप किसी बात को सुन कर फिर देख कर विश्वास करेंगे। सिर गंज पड़े तो धनवान होने का समय आयेगा, आपके स्वतंत्र विचार रहेंगे और यात्रा से लाभ मिलेगा। सरकारी विभाग में उच्चाधिकारी या सरकारी अधिकारियों से अच्छे संबंध होंगे और उनसे लाभ पा सकते हैं। आप जनता के लाभार्थ कार्य करेंगे।

यदि आपने जनता से दुर्व्यवहार किया या परिवार-कल्याण के कामों में विघ्न पैदा किये या मकान के अंत में अंधेरा कमरा रोशनी में बदला तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य का मंदा असर शारीरिक व हड्डी रोग, दिल की धड़कन तेज आदि प्रतिकूल फल मिलते हैं। क्रोध करने और दुर्वचन बोलने से रक्तचाप का रोग हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मांस-मदिरा का प्रयोग न करें।
2. दिन के समय चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य दें।
2. मकान के अंत में अंधेरी कोठरी/कमरा बनायें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में चंद्रमा पड़ा है। इसकी वजह से मैदाने जंग में हार या हानि न होगी। आप मधुरभाषी, परिश्रमी, सच्चरित्र, मृत्युरक्षक एवं भातृ सुख से पूर्ण रहेंगे। चंद्रमा आपके सहायक हैं। चोरी से बचाव होगा। भाई से धन-दौलत प्राप्त होगी। जन्मदिन के बाद का हर तीसरा महीना श्रेष्ठ रहेगा। आप साहसी होंगे। हर प्रकार की शरारत का जवाब

देने की आप में क्षमता होगी। आपके मन में शांति रहेगी। सांसारिक जीवन में भी आप योगी जैसे स्वभाव के होंगे। यदि आप साधू हो जाएं तो ऋद्धि-सिद्धि की साधना के मालिक होंगे। गृहस्थी, धन-दौलत के भंडारी होंगे। आपके परिवार में मर्दों की संख्या अधिक होगी। आपके घर में स्त्रियों में इज्जत होगी तो आपका भाग्योदय होगा। आपका पत्नी से प्रेम और सेवा उत्तम फल देगी। कुदरत लंबे हाथों से आपकी मदद करेगी। गरीबों पर तरस खाएंगे। आपके पिता को कम और माता को अधिक सुख मिलेगा। माता या पिता में से एक की लंबी आयु होगी। दिमागी शक्ति अच्छी रहेगी। लड़की की शादी में उसके ससुराल वालों से पैसा लेना जहर जैसा असर देगा। आप सरकार या विद्यापीठ से सम्मानित होंगे। आपको शतरंज-तैराकी का शौक हो सकता है।

यदि आप होस्टल वार्डनर हैं और विद्यार्थियों का सामान खुरद-बुर्द किया, रिश्तेदारों का विरोध किया, भाई-बहन का हिस्सा दबाया या ब्याही बहन का धन लेकर वापिस न किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से भाई-बहन को अपमानित किया या भाई-बहन को दुःखी किया तो आपके घर में चोरी का भय और यात्रा में हानि हो सकती हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बहन-भाई से झगड़ा न करें।
2. यतीमों का सामान हड़प न करें।

उपाय :

1. लड़की/बहन के विवाह में कन्या दान करें।
2. दुर्गापाठ या कन्याओं की सेवा करें।
3. लड़के जन्म पर गुड़-गेहूं-तांबा दान करें।
4. लड़की के जन्म पर दूध-चावल-चांदी का दान करें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल पांचवें खाने में बैठा है। इसकी वजह से आप शांत स्वभाव के हैं। आपको अपने जन्मस्थान से दूर निवास करना पड़ सकता है आप बहुत यात्रा करेंगे। आपको धन-संपदा मिलेगी। पत्नी एवं संतान सुख प्राप्त होगा। आपकी औलाद अच्छी और सुखी रहेगी। आपका बेटा तथा पोता भी धनवान होगा। आप धनवान संतान के पिता होंगे। आपकी उम्र ज्यों-ज्यों बढ़ेगी आप अमीर होते चले जाएंगे। आप या आपके खानदान में कोई हकीम या डॉक्टर हो सकता है। आपके बुजुर्गों की माली हालत अच्छी होगी। प्रत्येक वर्ष जन्मदिन के बाद से उन्नति और तरक्की होती चली जाएगी। आप अपने भाई या बाप-दादे की हैसियत से ऊंचे दर्जे के व्यक्ति होंगे। आपकी पुत्र प्राप्ति के बाद भाग्योन्नति होगी। आपके भाग्य के संबंध में अच्छा असर होने की उम्मीद है।

यदि आपका चाल-चलन खराब हुआ, आपने परिवार के लोगों से बिना कारण दुश्मनी रखी, सट्टा-जुआ आदि खेला, संतान या पत्नी से झगड़ा किया तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपकी विद्या अधूरी, पेट में खराबी, कानों की तकलीफ, घुटने या पैरों में किसी प्रकार का कष्ट या जोड़ों का दर्द हो सकता है। संतान प्राप्ति या संतान सुख में बाधा की आशंका है। स्त्री को अठराह की बीमारी जो संतानोत्पत्ति में विघ्न कारक होती है, हो सकती है। सट्टा-जुआ आदि में हानि का योग है। पुत्र से क्लेश, परिवार में किसी को दमा या मिरगी का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।
2. शराब-बीयर न पियें, मछली न खायें।

उपाय :

1. घर में नीम का पेड़ जमीन या गमले में लगावें।
2. रात को लोटे में पानी भरकर सिरहाने रख कर सुबह किसी पौधे या बाग-बगीचे में डालें।

बुध

आपकी जन्म कुंडली के पहले खाने में बुध पड़ा है। इसकी वजह से आपको ज्योतिष विद्या से लगाव रहेगा और आप पूर्णरूपेण इस विषय के ज्ञाता भी होंगे। आपका संबंध व्यवसाय, व्यापार से रहेगा। शिल्पकला, दस्तकारी से भी लगाव रहेगा। आपकी बुद्धि भी तेज होगी। आप द्विस्वभावात्मक प्राणी हैं। आप पर दूसरों का असर तेजी से पड़ता है। दो शत्रुओं के मध्य रह कर भी सुरक्षित रहेंगे। फलस्वरूप आप अच्छे कार्य एवं अच्छी बुद्धि से प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेते हैं। आप सामर्थ्य और शक्तिशाली व्यक्ति के पक्षधर हो कर उसे शक्ति प्रदान करते हैं। भयातुर धीरे-धीरे चलने वाले, मधुरभाषी, आकर्षक व्यक्तित्व के, अनेक रूपों वाले हैं। आप बातचीत करना पसंद करते हैं। आप कल्पना जगत के प्राणी हैं। हर व्यक्ति को अपना बना लेने की कला विद्यमान है। आपकी ऊंची बातें भाग्य बनाने में सहायक हैं। आपके मुंह से निकली बुरी बात का असर पड़ता है। आप के अंदर आन्तरिक शक्ति है एवं काम कला में प्रवीण हैं। आप दूसरों की परवाह नहीं करते हैं, स्वार्थपरायण, अपनी प्रशंसा चाहने वाले हैं।

यदि आपने नेकी का रास्ता छोड़ बदी का रास्ता अपनाया, अण्डे खाये, राग गाने का शौक रखा, शराब पी और मांस-मछली खायी, अधर्म के काम किये या जादू-टोना वशीकरण आदि विद्या में रुचि रखी तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपकी कुछ आदतें बुरी हैं। धीरे-धीरे सोच-समझ कर बोलने की आदत से बुद्धिमानी का प्रतीक बनेंगे। आप चलते-चलते या काम करते-करते बातें करना पसंद करते हैं। अकारण कंजूसी बरतना प्रतिष्ठा के प्रतिकूल है। संतान सुख में बाधा की आशंका है। चमड़ी का रोग या पेट में खराबी रहेगी। जादू-टोना विद्या में रुचि रखने से धन-परिवार की

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अंडा या अंडे से बनी चीजें न खावें।
2. शराब-मछली का सेवन न करें।

उपाय :

1. धर्म-कर्म करें।
2. घर आये मेहमानों की सेवा जरूर करें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में तीसरे खाने में वृहस्पति पड़ा है। जिसकी वजह से आप जिस पर मेहरबान होंगे तो उसे बड़ा लाभ होगा। आप नौकरी-व्यापार से आजीविका चलाएंगे। 40 वर्ष की उम्र तक गृहस्थ जीवन में पूर्ण योगदान करेंगे। आप न्यायप्रिय होंगे। भाई से भी सुख प्राप्त होने की संभावना है। परंतु आप स्वयं बुद्धिमान होंगे। आपको अपने भाई-बहन की सहायता करने से लाभ मिलेगा और उनसे संबंध अच्छे रहेंगे। 26 वर्ष की उम्र में आपकी दौलत बढ़ने लगेगी। आपकी औलाद के जन्म के बाद आपका भाग्योदय होगा। आप अपने जीवन में लगातार उन्नति करते रहेंगे। समाज में अच्छी प्रतिष्ठा मिलेगी। आप अपने भाई के मददगार होंगे। आपका घर-वार नेक होगा। आपका जीवन खुशहाल रहेगा। आपकी पत्नी आपके जीवन में सहायता करेगी। आपके द्वारा बुजुर्गों की सेवा से धन-दौलत में वृद्धि होगी। आप धार्मिक स्वभाव के होंगे। आप अपने भाग्य पर सब्र करने वाले होंगे, अपनी किस्मत पर संतुष्ट रहेंगे। आप बुढ़ापे में आराम पाएंगे। आप बहादुर होंगे। आप आंखों की होशियारी से ही दूसरों को भांप लेंगे।

यदि आपके घर में कटा या सूखा पीपल का पेड़, धर्म मंदिर है उसकी सेवा नहीं करते, बुरे तरीकों से धन कमाया या मित्र मार की तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से 31वें वर्ष में बीमारी की आशंका है। आप अपने मित्रों के साथ धोखाधड़ी करके या लूट कर धनवान बनेंगे। आपकी बेमतलब की बकवास/गप्पबाजी आपके आने वाले समय को खराब कर देगी। जिस पर आप बिगड़ जाएं उसका सब कुछ नष्ट कर देंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सूखा पीपल घर में नहीं रहे।
2. घर में मंदिर बंद न रखें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

उपाय :

1. दुर्गा पाठ या कन्याओं की सेवा करें।
2. केसर/हल्दी का तिलक करें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र दूसरे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से जीवन भर धन-संपत्ति, संतान सुख में वृद्धि होगी। आपको सभी पक्ष से शुभ फल प्राप्त होंगे। आप बहुत परिश्रमी होंगे। आपको भाई का सुख प्राप्त होगा। नौकरी-व्यापार ठीक से चलते रहेंगे। दिन दुगुनी रात चौगुनी तरक्की होती रहेगी। आप सम्माननीय व्यक्ति होंगे। आप ईश्वर पर विश्वास करें तो आपकी सभी कामनाएं पूरी होंगी। पत्नी का पूर्ण सुख प्राप्त होगा। आपके जीवन के साठ साल की उम्र तक खूब आमदनी होगी। आप साधू-संतों की वेशभूषा पहन कर आशिकाना ख्याल के मालिक होंगे। चारित्रिक सुधार के बावजूद आपका जीवन सफल रहेगा। आपके शत्रु आप से दबे रहेंगे। आपके भाई तथा लड़के की किस्मत अच्छी होगी। आपको दुनियाबी सहायता मिलेगी। आप प्रेम संबंध बड़ी होशियारी से करेंगे। आप कामयाब आशिक होंगे।

यदि आपने शेरमुख घर में रिहाईश की, राग-रंग से नफरत रखी, आलू का व्यापार किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से घर में बीमारी लगी होगी। रक्तदोष एवं शुक्राणु दोष के कारण औलाद की पैदाइश में रुकावट हो सकती है। संतान जन्म में बाधा की आशंका हो तो (किसी वैद्य/हकीम की सलाह लेकर आयुर्वेद दवाईयों का प्रयोग करें)। आप किसी के साथ बुराई करें तो आत्मघात जैसा फल मिलेगा। दूसरे के बच्चे को गोद लेने पर अपनी संतान बाधा दूर हो जाएगी। बुराई करने पर आपके बच्चों पर गलत प्रभाव पड़ेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. पघुओं पर जुल्म न करें।
2. घेर मुख घर में रिहाइघ न करें।

उपाय :

1. आलू, घी या दही का दान करें।
2. बिना सींग की गाय की सेवा करें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली के ग्यारहवें खाने में शनि पड़ा है। इसकी वजह से आपका भाग्योदय 48वें वर्ष में होगा। आप अपने धर्म पर अडिग रहेंगे। जीवन के 57वें, 72वें और 89वें आयु में अच्छा फल मिलेगा। आपको पूरा आराम मिलेगा और उत्तम फल प्राप्त होंगे। लोहा, कोयला, रबड़ आदि काली चीजों के व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगे। दस्तकारी में भी निपुण होंगे।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

आप अपने धन की सुरक्षा करेंगे। आर्थिक दृष्टि से आप प्रगति करेंगे। संतान सुख अवश्य मिलेगा। यदि आप नेकी करेंगे और धर्म का सहारा लेंगे तो मिट्टी को भी छुएंगे तो सोना हो जाएगी। न्यायप्रिय, राज्याधिकारी, राजदरबार और धन-दौलत पर अच्छा असर पड़ेगा। भलाई करने से जिंदगी में सभी प्रकार के आराम मिलेंगे। बुजुर्गी संपत्ति का लाभ होगा, ससुराल वाले अमीर होंगे।

यदि आपने 55 वर्ष की आयु से पहले मकान बनाया, आपने परिवार के लोगों को हानि पहुंचाई, भाई से दूर रहे, धोखे-ठगी से धन कमाना शुरू किया तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आपकी शिक्षा अधूरी रह सकती है। आप गुरुसैल मिजाज के होंगे। आपके आमदनी और खर्च बराबर रहेंगे। शराब-मांस का सेवन करने से क्रोध की मात्रा बढ़ जाएगी और आप किसी की हत्या भी कर सकते हैं। आप फरेब करके पैसा बनाएंगे। बेईमानी से कमाया हुआ धन बुरा फल देगा। धोखे-ठगी से कमाया धन कैद और कफन ही देगा। विद्या में रुकावट, आपका भाई-बंधु और मित्रों से विरोध होगा, खानदान के लिए अशुभ होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. किराये के मकान में रिहाईश न करें।
2. ठगी-धोखे से धन न कमाएं।

उपाय :

1. घर में शुद्ध चांदी की ईंट रखें।
2. नये काम पर जाते समय या नया काम शुरू करते समय पानी या दूध का भरा घड़ा कुंभ के तौर पर रखें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के बारहवें खाने में राहु पड़ा है। जिसकी वजह से आपके लिए तमाम सुख-सुविधाओं का योग रहेगा। आप योगी की तरह आचरण करेंगे। आप उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने बलबूते पर खड़े होंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मुक्त रहेंगे। आप धनवान अपने भाई-बहन से स्नेह रखने वाले, शत्रु पर विजय प्राप्त करने वाले और सुख के साथ जीवन को गुजारेंगे। आप कभी भी अर्थिक रूप से परेशान नहीं होंगे। आपकी कन्या जन्म के बाद लक्ष्मी की बड़ी कृपा होगी और आपको सभी सुख प्राप्त होंगे। विवाह-उत्सव आदि कामों में खूब खर्च करेंगे। अथाह धन की प्राप्ति होगी। आप अपनी पुत्री व बहन पर अधिक खर्च करेंगे। आप पर ऋण का बोझ पड़ जाये तो वह शीघ्र उतर जाएगा। शुभ समय पर कोई काम करके कामयाबी हासिल करेंगे। ससुराल पक्ष धनवान होगा, शत्रुओं से बचाव होगा।

यदि आपके लड़कियां अधिक हुई, मकान रोशनी वाला हुआ, बिना सोचे समझे काम किया, शेख चिल्ली की तरह बातें ही बातें बनाने की आदत हुई तो आपका राहु मंदा हो

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

सकता है या किसी कारणवश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आप बुरे व्यसनों की आदतों के कारण या समाज में बदनाम लोगों से दोस्ती के कारण दुःखी होंगे। आपको पसलियों या आंतों के रोग की आशंका बनती है। बवासीर रोग की आशंका है। दिमागी परेशानी के कारण रात्रि शयन में बाधा की आशंका है। आप शेख चिल्ली की तरह सपने देखेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे। मानसिक पीड़ा से दुःखी रहेंगे। फौजदारी-दीवानी मुकद्दमों में उलझ सकते हैं। गबन करने पर इल्जाम लगेगा। बिना सोच-समझे किये कामों में हानि हो ऐसी शंका है। आपके परिवार का बोझ आप पर होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. रसोई से बाहर खाना न खावें।
2. घर के आंगन में धुआं न करें।

उपाय :

1. घर के आखिर में अंधेरी कोठरी बनावें।
2. चांदी का ठोस हाथी घर में रखें या चांदी का चौरस टुकड़ा सफेद धागे में डाल कर गले में धारण करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में छठे खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप अभिमान रहित होंगे। आप एक अच्छे सलाहकार होंगे। आपकी संतान आपके कामों में हाथ बंटायेंगी। आप धनवान, शत्रुओं को परास्त करने वाले ननिहाल के लिए शुभ रहेंगे। आपकी संतान आपकी सहयोगी होगी। आपका पुत्र आपकी मुसीबतों का जाल कटेगा और आपकी सहायता करेगा। आपको अपने जीवन में आराम मिलेगा। आप देश या परदेश में कहीं भी रह कर सुखमय जीवन बिताएंगे।

यदि आपने ससुराल से सोने की अंगूठी या 2 चारपाई या पलंग विवाह समय न लिये, ससुराल से मिली अंगूठी गुम हो जाये या बिक जाये तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से माता और ननिहाल में बुरा असर पड़ेगा। आपको कुत्ते से डर लगेगा। कुत्ते के काटने का भय रहेगा। आपका फिजूल खर्च भी हो, ऐसी संभावना है। आपका बुढ़ापा कष्टमय रहेगा। कभी-कभी आपको बेकार की यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। बिना किसी कारण के शत्रु पैदा हो सकते हैं। आपकी वृद्धावस्था सुखी नहीं रहेगी। आपका पुत्र दूसरों के लिए बदनसीब होता है। लड़कियां अधिक हो सकती हैं। पेट-चमड़ी-पांव में रोग होगा। आवारा घूमना या धन का अपव्यय अधिक होगा, बिना कारण शत्रु पैदा होते रहेंगे। मामा और माता को कष्ट की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

परहेज :

1. ससुराल से मिली सोने की अंगूठी गुम न होने दें और न बेचें।
2. परिवार की लड़कियों से झगड़ा न करें।

उपाय :

1. केसर/हल्दी का तिलक करें।
2. शुद्ध सोने की अंगूठी बायें हाथ में पहनें।



लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध है (जैसे जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर-बराबर धन लेकर आपके शहर/गांव के चौक में बैठे कारीगर, हकीम/डाक्टर को उसका काम बढ़ाने के लिये वह धन दान स्वरूप दे दें।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्य आदि काम करना।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है। सबसे बराबर-बराबर पीली कौड़ियां लेकर उसी दिन एक जगह इकट्ठी करके जला कर उनकी राख उसी समय जल में प्रवाहित कर देना।

पितृ ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृ ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या

तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से मुक्त है।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बीमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

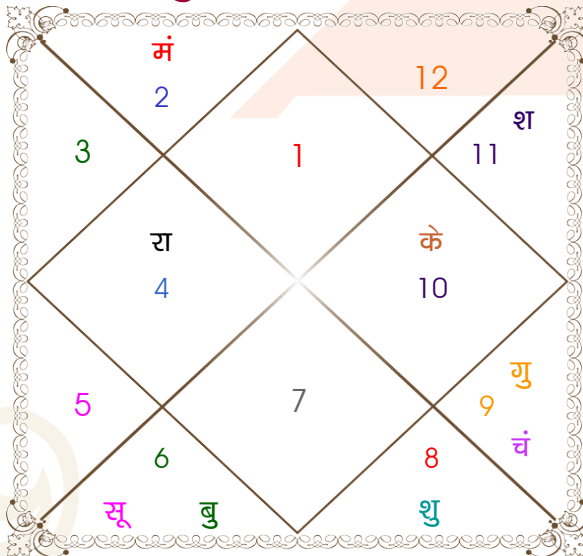
वर्तमान आयु - 60
वर्तमान दशा - चन्द्र

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	--	हाँ	नेक
राहु	--	--	हाँ	नेक
केतु	--	--	--	नेक

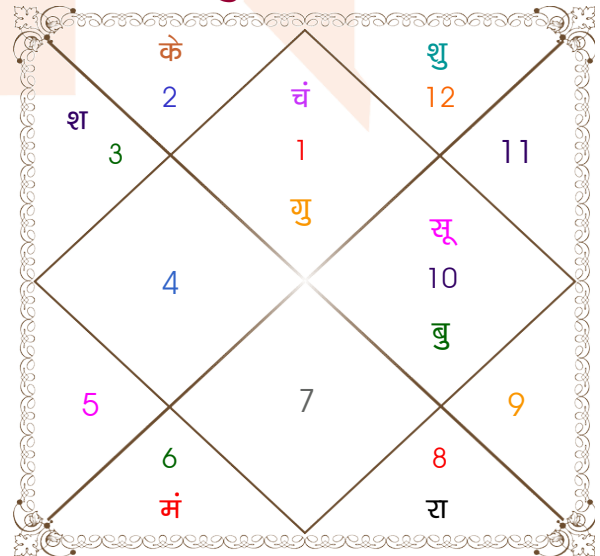
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	हाँ	--	हाँ	--	हाँ	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप भाग्य पर भरोसा करेंगे, शत्रु दबे रहेंगे। मुकदमों में जीत होगी, संतान जन्म से भाग्योदय होगा। ननिहाल से लाभ होगा, पिता के रूतबे में कुछ उथल-पुथल का भय रहेगा। परस्त्री के साथ आपके संबंध बन सकते हैं मगर चाल-चलन ठीक रखें। सरकारी विभाग से लाभ होगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बेटी-बहन, साली-बुआ से झगड़ा न करें।
2. कर्ज और दान मुफ्त का माल न लेवें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष समाज के लोगों से हमदर्दी होगी। आपको पैतृक जायदाद का लाभ मिलेगा। तीर्थ यात्रा का अच्छा फल मिलेगा। आपकी संगीत विद्या में रुचि, धार्मिक विचार या धर्म-कर्म में रुचि अधिक रहेगी। आपको विनम्र स्वभाव रखना ही शुभ है जिससे आप तरक्की के शिखर पर पहुंच जाएंगे, धन-दौलत में बरकत होगी।

चंद्र की शुभा बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. झूठ न बोलें, झूठा भोजन न खिलाये और न खायें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष आपके परिवार में अन्न-धन की कोई कमी नहीं रहेगी। आप भाई-बंधुओं के दुःख में हर समय साथ देंगे, आप नेक और इरादे के पक्के रहेंगे जो बात ठान ली वह पूरी कर दिखायेंगे। अगर बड़ा भाई जीवित हो तो उससे अधिक धन, मान आपको मिलेगा। परिवार के लोगों से भी लाभ मिलेगा।

मंगल की शुभता हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. लड़ाई-झगड़ों से दूर रहें।
2. घर आये मेहमानों की सेवा में कमी न करें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष दिमागी कार्यों से लाभ मिलेगा, विदेश भ्रमण की इच्छा भी रहेगी, समुद्री यात्रा से लाभ मिलेगा, कृषि से संबंधित कार्यों से लाभ मिलेगा। वक्तव्य देना, एकाउंटेंट/चार्टर्ड एकाउंटेंट, लेखन, प्रिंटिंग से संबंधित कामों से लाभ होगा। मुंह से निकली बात शत प्रतिशत सही हो सकती है। ननिहाल से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. लड़की/बहन का विवाह अपने रिहाइशी मकान की उत्तर दिशा में न करें।
2. सेवक/नौकरों पर हमेशा नज़र रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अपने पूर्वजों के द्वारा लाभ होगा, ज्योतिष और गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। परिवार के लोगों का मान-सम्मान बढ़ेगा। आप दुनिया में अपने परिवार का नाम चमकाएंगे। जौहरी/सर्पफाँकी के कामों से लाभ हो सकता है। आपकी आदत राजाओं जैसी बनेंगी। प्राण जाये पर वचन न जाये ही आपका धर्म होगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किया हुआ वायदा पूरा करें।
2. सोना गिरवी न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष गुप्त रोग का भय है। चाल-चलन ठीक रखें वरना पत्नी का स्वभाव चिड़चिड़ा हो सकता है। पत्नी से झगड़ा करना आपके लिये हार और हानि का कारण होगा। पत्नी की हर बात में हां में हां जरूर मिलायें मगर करें अपने मन की। आपके द्वारा दी गई जमानत आपको भरनी पड़ सकती है।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गंदे नाले में तांबे का पैसा या फूल डालें।
2. धर्म स्थान में सिर झुकाएं।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष धर्म पर अड़िग और पक्के रहेंगे। धर्म पर कायम रहेंगे तो मिट्टी के काम से सोना बनेगा। प्राण जाय पर वचन न जायें वाली कहावत आप पर चरितार्थ होगी। लोहा, कोयला, रबड़ आदि के कामों से लाभ हो सकता है। व्यसनों से दूर रहेंगे तो बहुत लाभ होगा। इन्साफ पसंद वृत्ति रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किराये के मकान में रिहाइश न करें।
2. ठगी-धोखे से धन न कमाएं।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके बुजुर्गों को बहुत लाभ होगा, पिछला समय आपको आर्थिक तंगी का रहा हो तो इस वर्ष धन लाभ होगा। माता/सास से लाभ होगा। मकान वाहन सुख और सभी प्रकार के सुख के साधन उपलब्ध होंगे। सरकारी विभाग में या किसी संस्था में उच्च पद प्राप्त हो सकता है।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माता/अपनी आयु से बड़ी स्त्री से अवैध संबंध स्थापित न करें।
2. गंगा नदी में स्नान न करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मिट्टी के कामों से सोना बनेगा, शहर/गोव/देश/विश्व प्रसिद्ध हो सकते हैं। समाज में आपकी ख्याति बढ़ेगी, धन का अभाव नहीं रहेगा। आपका स्वभाव कुछ शक्की बन सकता है। संतान सुख का योग भी इस वर्ष है मगर माता को कष्ट हो सकता है सास/माता की सेहत खराब या उनसे जुदाई हो सकती है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन खराब या अनैतिक संबंध न रखें।
2. कुत्तों से नफरत न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- तांबे का पैसा या फूल गंदें नाले में डाले।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब वर्षफल 2027-2028

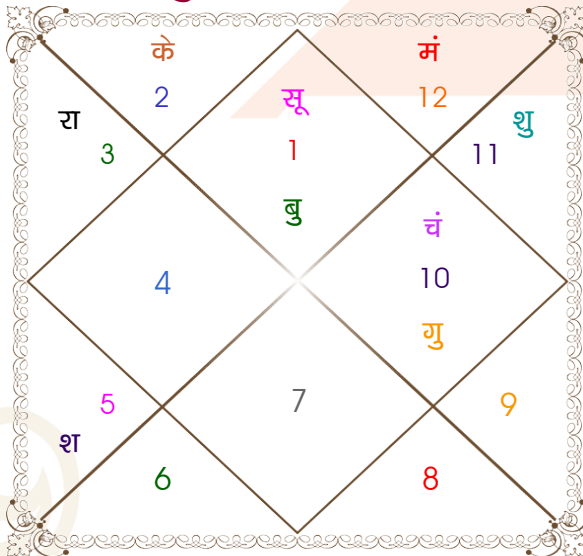
वर्तमान आयु - 61
वर्तमान दशा - चन्द्र

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	हाँ	--	मन्दा
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	हाँ	--	नेक

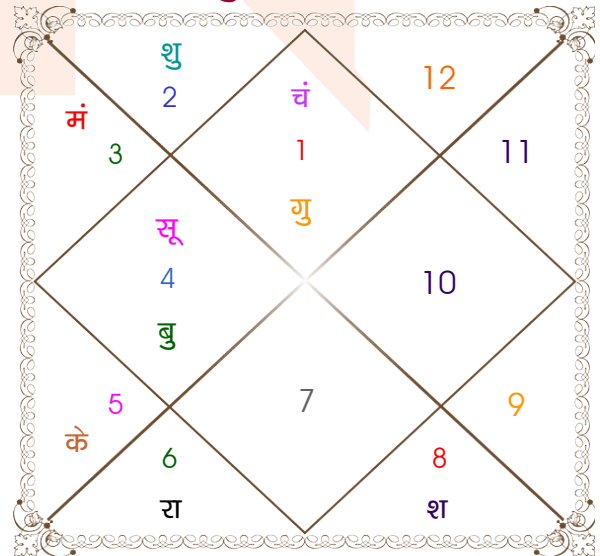
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2027 - 2028



वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका तेज व प्रताप बढ़ेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी, परोपकार की भावना रहेगी, आप दृढ़ निश्चयी, नशों से दूर रहेंगे। अधिक मेहनत करके आप अपना भाग्य चमकाएंगे। सरकारी विभाग में रुके काम बनेंगे। सरकारी अधिकारियों से अच्छे संबंध रहेंगे और उनसे लाभ मिलेगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शराब आदि न पियें, मांस-मछली का भोजन न करें।
2. सूर्योदय से सूर्यास्त तक स्त्री से शारीरिक संबंध न रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष खराब स्वास्थ्य के समय या वैसे ही रात के समय लिक्विड दवाई का प्रयोग आपके लिए हानिकारक है। विद्या संबंधी कामों में भी परेशानी आ सकती है। चोरों-जुआरियों, शराबी लोगों द्वारा आपका नुकसान होगा। किसी स्त्री या प्रेमिका द्वारा गलत सलाह से आपका धन-सम्मान नष्ट हो सकता है, सतर्क रहें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूध को फाड़ कर उसका पानी पीयें अर्थात् पनीर का पानी पियें (स्वास्थ्य खराब के समय)
2. 10 दिन सुबह नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।
3. रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पिये।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी समाज में आवाज बुलन्द रहेगी, शत्रु मुंह की मार खायेंगे, मुसीबतें टल जाएगी, गुरु निर्धन-ब्राह्मण की सेवा में तत्पर रहेंगे, आप अपनी मनमर्जी के अनुसार कार्य करेंगे, किसी से दब कर नहीं रहेंगे। मीठा-भोजन या मिठाई आपको अधिक पसन्द रहेगी। मुकदमे में जीत या सरकारी विभाग से लाभ से लाभ हो सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. खुण्डा या जंग लगा हथियार घर पर न रखें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

2. लोग आपका नमक खाकर नमक-हरामी करेंगे, सतर्क रहे।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विदेश यात्रा या विदेश से सम्बन्धित कामों से लाभ हो सकता है। आपके मुंह से निकली हुई बात में दम होगा, आप दूसरों की परवाह नहीं करेंगे। मधुर भाषा बोलेंगे, कल्पनाशील विचार होंगे। आप पर दूसरे लोगों का प्रभाव रहेगा। आप परिवार के झगड़ों में सुलह करने में भूमिका निभाएंगे।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अण्डा-पेस्ट्री आदि अण्डे से बनी चीजें न खावें।
2. शराब-बीयर न पियें, मांस-मछली का भोजन न करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों से अधिक लाभ नहीं होगा। ख्वाबों के महल बनाना आपकी आदत बनेगी। ख्वाबी महल न बना कर आप समय का सदुपयोग करें। साधू को कष्ट दिया, पीपल का वृक्ष उजाड़ा से तो आपको हानि का मुंह देखना पड़ेगा। संतान की चिंता, पिता-दादा का स्वास्थ्य भी खराब रह सकता है।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गुरु/साधू की सेवा करें या पीपल के वृक्ष को पानी से सींचें (रविवार को छोड़कर)।
2. तांबे का पैसा 43 दिन लगातार बहते पानी में डालें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष अप्राकृतिक सैक्स के शिकार हो सकते हैं। कामुक बन कर पापी भी बनेंगे। काम शक्ति कमजोर पड़ सकती है। कन्या संतान की चिंता रहेगी। आपसे मुखर्तापूर्ण कार्य हो सकते हैं। जिसका बाद में आपको पछतावा होगा। किसी स्त्री के कारण आपका धन-समय और कारोबार बरबाद होगा।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. माता या पत्नी के हाथों से सरसों का तेल दान करायें।
2. कपिला गाय का दान करें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

3. नपुंसकता के समय मछली का तेल, सोने-चांदी का कुशता प्रयोग में लायें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप भाई-बंधुओं के साथ लड़ाई-झगड़ा या धोखा न करें। मांस-मदिरा का सेवन करना आपको हार और हानि देगा। परिवार में समस्याएं बढ़ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें विशेष कर पेट/गुर्दे में पथरी का। आपके नाम पर अगर मकान बनेगा तो पुत्र सुख में बाधा आ सकती है।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना या केसर पास रखें।
2. सांप को दूध पिलायें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके शत्रु आपके ऊपर हावी नहीं हो सकते, भविष्य में होने वाली घटना का आपको पहले पता चल जायेगा। आपकी कलम में तलवार से अधिक ताकत होगी, आपको उच्च पद या सम्मान प्राप्त होगा। नौकरी-व्यापार में खूब तरक्की होगी, खराब चाल-चलन से संतान की चिंता रहेगी।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हाथी दांत पास न रखें।
2. तीन-तीन हाथी के खिलौने घर में न रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष यात्रा करने से धन लाभ व मान-सम्मान बढ़ेगा, दलाली या कमीशन एजेंट के कार्य से लाभ होगा। आई-चलाई चाहे लाखों-करोड़ों रुपयों की हो मगर हिस्से में दलाल की दलाली की तरह धन लाभ होगा। सरकार से वजीफा या सरकारी विभाग से धन लाभ हो सकता है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चान चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. नकली सोना न पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 10 दिन नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)

